

3/1/19

पभावली आज दिनांक को अर्थात् के
प्रार्थना पत्र पेश होने पर तत्पश्चात् हुई।
अर्थात् व अर्थात् बनीय उपरिपत्त।

वर्तमान वाद पत्र से सम्बन्धित
मुक्त वाद जरीये विद्वीय स्वदिज
किया जा चुका है। जिसमें अर्थात्
अपना वर्तमान पत्र पुनः प्रार्थना पत्र
पेश करने के अपने विधि में अधिकारी
को सुरक्षित रखते हुए वर्तमान पेश
प्रार्थना पत्र को जरीये विद्वीय स्वदिज
किया जाता है। अतः अर्थात् का
प्रार्थना पत्र प्रभावली होने से आज
चलाना उचित उचित नहीं होता है।

पभावली केवल सुमार होकर
व्यक्त हो।


बहाल कंसटर
(B.D.O.) बालासोर